स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३३१ वि.सं. २०८३ असार १४ गते अँटवार थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 28 June 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

मासगैल रैथाने बाली

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १३ असार । कुछ दशकआघेसम थारू समुदायसे खेती कैना थरी थरीके रैथाने बाली लोप हुइल बावै ।

उन्नत प्रजातिके विकासे बाली लगैना प्रचलनसँगे टमान रैथाने बाली लोप हुइल हो । थारू आलु ओ उज्जर अन्डी धानबाहेक अन्य रैथाने बालीके खेतीपाती अचेल नैहो । पाँच दशकआघेसम किसान सबसे ढेर खेती कैना रैथाने बालीके अब बियासमेत मासल बा ।

थारू समुदायके अनुसार विगतमे सौँठ्यारी, चानाफोर, अञ्जना, गोर्रा, आइरेट, गोग्वा, गोपाल, जया, करङ्गी, सुगापत्ती, निमोई, रुट्नी, कृष्णभोग, डिरुवा, रैमुनुवा, बर्का मसुली, ढुनमुनिया, अन्डीलगायतके रैथाने धानबालीके खेती करजाए ।

इ बालीमध्ये सौँठ्यारी, करङ्गीलगायतके रैथाने धान सुक्खा, बलौटे जमिनमे नैलगाके हरसे जोटके सिढे बिया छिट्ना करल धनगढी उपमहानगरपालिका-७, पटेलाके ६८ वर्षीय धरमबहादुर चौधरी स्मरण करलै ।

उहाँ कहलै, "करिया फर्ना इ धानक चाउर उज्जर रहे । उ बेला

हम्रे धान नैलगाइ । खेट्वा जोटेके सिढे छिट्ना काम करी ।" रैथाने प्रत्येक बालीके आआपने विशेषता रहल बटाजाइठ् । सुक्खामे लगाजैना छुट्टे धानबाली ओ पानी जम्टी रहना ठाउँमे ढेंग ढेंग हुइना छुट्टे प्रजातिके धान खेती करजाए ।

गोग्वा, गोर्रालगायतके धान पानी जम्ना ठाउँमे हुइना करल पटेलाके ७५ वर्षीय नन्दलाल चौधरी बटैलै । उहाँ कहलै, "इ धान टल्वामे फेन होइ ।

टुप्पा किल डेख्ना मेरके पानीसे डुबैलेसे फेन इ धान बच्जाए ।"

चौधरी कृष्णभोग, निमोई धानक भात ढेर मिठ हुइना रहल फेन बटैलै । उहाँ कहलै, "इ प्रजातिके धान ढेर फरे । ढँकीमे कुटके खाइबर यकर भात बहुत मिठ लागे । चानाफोरके भात भर कडा रहे ।"

स्थानीय चन्द्रादेवी चौधरीके अनुसार अञ्जना धानके खेती ढेरपाछेसम करल मने डाँठ नरम हुइना कारण हावासे हाली धान ढल्ना करल ओरसे लगाइ छोरल उहाँके कहाइ रहल बा । उहाँ कहली, "हम्रे बहुट पाछेसम अञ्जनाके खेती करल रही ।

पाछे पटुहिया ढलल् धान कट्ना इयाउ मानलपाछे इ धान लगाइक छोरडेली ।"अन्डीबाहेक रैथाने सक्कु धान अब्बे थारू समुदायके घरसे लोप होसेकल बा ।

विगतमे डेहरी बक्खारीभर भण्डारण करल इ धानक अचेल बिया फेन पैना मुस्किल रहल बा । पुरान अन्डी धान फेन मासल कृषक केदार चौधरी बटैलै ।

उहा पहिले लाल भात रहना बराबरा दानाके अन्डी धानके खेती हुइना करल स्मरण कैटी कहलै, "अब्बे उज्जर अन्डी आइल बा । यकर फेन ठोर ठोर किल खेती हुइठ् ।"

अन्डी थारू समुदायके दुई महत्वपूर्ण टिहवार अट्वारी ओ माघके लाग नैहोके नैहुइना रहल ओरसे इ धानक खेती कैना करल बा । अट्वारीमे अन्डी धानक चाउरके रोटी अनिवार्य मानजाइठ् ।

अन्डी नैरहलमे अट्वारी पर्वके व्रत नैबैठ्ना करल चौधरीके कहाइ रहल बा । विकासे धान बालीप्रतिके आकर्षणसे रैथाने धानबाली मासल ज्येष्ठ नागरिक नन्दलालके बुझाइ रहल बा ।

उहाँ कहलै, "पहिले बर्खामे पानी खोब पर्ना करल कारण उहे अनुसारके रैथाने धानबालीके खेती होए मने अचेल समयमे पानी नैपरठ् । उहेमारे उन्नत जातके विकासे धानबाली लगाइ लागल बा ।"

ढेर फर्ना कहिके किसान उन्नत जातके धानबाली लगाइ लागल ओ रैथाने बाली छोरल कृषक केदारके कहाइ रहल बा । थारू समुदायमे प्रचलनमे रहल अन्डी धान ओ थारू आलु बचाइक लाग कृषि ज्ञान केन्द्रसे प्रयास करटी रहल बा ।

अन्डी धान ओ थारू आलुके लाग हरेक बरस किसानहे सहयोग कैना करल कृषि ज्ञान केन्द्र कैलालीके सूचना अधिकारी टेकबहादुर विष्ट बटैलै ।

धनगढीमे पानी सङ्कट बह्टी

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १२ असार । सुदूरपश्चिम प्रदेशके अस्थायी राजधानी धनगढीमे पानी सङ्कट बह्टी गैल बा । सुक्खायाम लब्याके ओ जलभण्डार क्षेत्र चुरे दोहनके कारण पानी सङ्कट बह्ने लागल हो ।

भूमिगत पानीके जलस्रोत सुखे लागलपाछे यहाँके नल्का (चापाकल), बोरिङ, डिप बोरिङमे फेन पानी कम आइ लागल बावै । सुक्खा यामके कारण नल्का सुखलपाछे खानेपानी समस्या भ्होले परल धनगढी उपमहानगरपालिका-८ के नीराजन गिरी बटैलै । उहाँ आपन नल्का सुखाइलपाछे छिमेकीके नल्कासे पानी बोकके गुजारा करटी रहल बटैलै ।

उहाँ कहलै, "छिमेकीके नल्कामे ठोर ठोर पानी अइटी रहल ओरसे ओहैसे बोकके गुजारा कैटी आइल बटी ।" उहे वडाके विष्णु चौधरीके समस्या फेन ओस्टहे बा । उहाँ पानी समस्यासे दैनिकी नै मुस्किल हुइल बटैलै ।

मध्य असार हुइ लागलमे फेन इ बरस वर्षा हुइल नैहो । पानी नैपरलपाछे भूमिगत जलस्रोत धमाधम सुख्टी गैलपाछे किसान धान लगाइ सेकल नैहुइट । धान लगाइल खेट्वामे लगाइल बियार फेन पानी नैपाके सुखे लागल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-१४, स्याउले क्षेत्रमे पानी सङ्कट हुइलपाछे धनगढी उपमहानगरपालिकाके कार्यालयसे ट्याङ्कर ओ दमकलमार्फत खानेपानी पुगैना कार्य करटी रहल बा ।

चैतसे नै पानी समस्या झेल्टी रहलमे अब्बे समस्या झन् बह्ल फूलबारीके उर्मिला पुरी बटैली । उहाँ कहली, "पानी अइलेसे फेन ढुमिल पानी आइठ् । हम्रे छानके पिना करल बटी । उपमहानगरपालिकासे पानी वितरण करल पानीसे जैसिक टैसिक चलल् बा ।"

२०७९ सालमे हुइल एक अध्ययनसे धनगढी उपमहानगरपालिकामे पानीके हाहाकार हुइ सेक्ना निर्क्योल निकारल रहे । त्रिभुवन विश्वविद्यालयका प्रोफेसर डा. मोती रिजालके उ अध्ययनसे जथाभाबी वनविनाश, मानवबस्ती निर्माणलगायतके कारणसे खानेपानी समस्या निम्टे सेक्ना कहटी सचेत कराइल रहे ।

सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके छैटौं दीक्षान्त समारोह

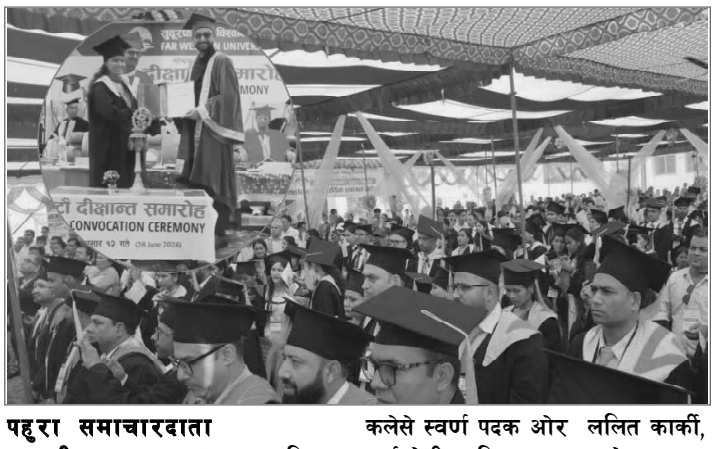

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १३ असार । सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके छैटौं दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुइल बा ।

शिक्षा तथा खेलकुद मन्त्री सस्मित पोखरेलके अध्यक्षतामे शुकके सम्पन्न दीक्षान्त समारोहमे दुई हजार चार सय ८९ विद्यार्थी दीक्षित हुइल हुइट ।

समारोहमे विश्वविद्यालयसे विद्यावारिधि लेहल डा.तुलसी कुमारीहे फेन दीक्षित करल बा । दीक्षान्त समारोहमे चार विद्यार्थीहे पहिलचो डिन्स पदक फेन प्रदान करल बा । डिन्स पदक ओर मथुरा प्रसाद उपाध्याय, कैलाश राज भट्ट, आयुशा जोशी, भरत साउदहे प्रदान करल बा ।

ओस्टके, चान्सलर ओर व्यवस्थापन संकायके निशान्त चन्द, भ्वाइस चान्सलर ओर कृषि विज्ञानके कैलाशराज भट्ट पदक प्राप्त करले बटै, कलेसे स्वर्ण पदक ओर ललित कार्की, दुर्गा देवी, निशान्त चन्द, प्रेम बहादुर रोकाया, दिवाकर पन्त, भरत साउद, कविता जोशी, रजिन बोहरा, कैलाशराज भट्टहे प्रदान करल बा ।

दीक्षान्त समारोहमे सात सय ६७ विद्यार्थी सहभागी रहल रहिट । जौन अनुसार कृषि विज्ञान सङ्काय ओर ३३ , शिक्षा संकायसे २४२, इन्जिनियरिङ संकायसे ५३ विद्यार्थी, मानविकी ओ सामाजिक विज्ञान संकायसे १८२, व्यवस्थापन सङ्काय ओरसे २३९ ओ विज्ञान तथा प्रविधि संकायसे १८ जाने विद्यार्थी दीक्षान्त समारोहमे गाउनसहित सहभागी हुइल रहिट ।

परीक्षा नियन्त्रक अनुराधा रोकायाके अनुसार, दीक्षान्त समारोहमे विद्यार्थी सहित अभिभावक फेन सहभागी हुइल रहिट । उहाँके अनुसार, ९ औं ग्रेस लिस्टमे समावेश दुई हजार चार सय ८९ विद्यार्थी ट्रान्सक्रिप्ट लेहल रहिट । (बाँकी ३ पेजमे)

मधुमेह (डायबिटिज) रोगबाट बचौं

शरीरमा चिनीको मात्रा बढी हुँदा मधुमेह हुन सक्छ,
मधुमेहले,
- विभिन्न अंगमा क्षति पुऱ्याउन सक्छ,
- मुटु र मिर्गौलामा क्षति पुऱ्याउन सक्छ,
- अन्धोपन, पक्षघातलगायतका जोखिम बढाउन सक्छ ।

मधुमेहबाट बच्न,
- शरीरको तौल सन्तुलित राखौं,
- चिल्लो तथा चिनीजन्य पदार्थको सेवन कम गरौं,
- जङ्कफूड तथा तारेका, भुटेका र प्रशोधित खानाहरु नखाऔं,
- धुम्रपान, मद्यपान नगरौं, नियमित व्यायाम गरौं,
- रेशायुक्त तथा प्राकृतिक खानेकुरा खाऔं,

नियमित स्वास्थ्य परीक्षण गरौं, मधुमेहबाट बचौं।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : **प्रेम चौधरी** (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

टाटुल हावाके लहर कायमे रना सम्भावना

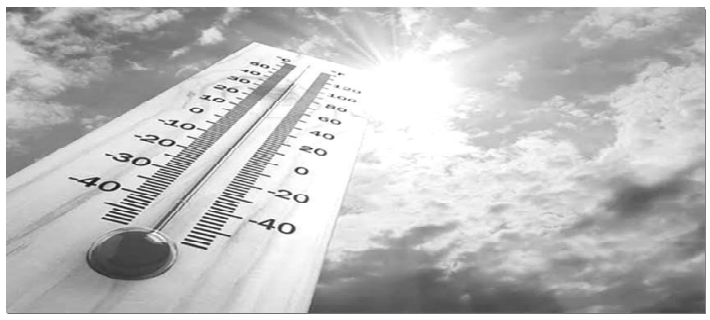

पहुरा समाचारदाता
काठमाडौँ, १३ असार । देशके पश्चिमी तराई क्षेत्रमे टाटुल हावाके लहर (हिटवेभ) के प्रभाव बिफेक रोज फेन कायमे रहल बा ।

जल तथा मौसम विज्ञान विभाग सुदूरपश्चिम ओ लुम्बिनी प्रदेशके तराईके कुछ स्थानमे टाटुल लहर चल्न सम्भावना रहल जनैले रहे ।

विभागके प्रवक्ता विभुति पोखरेल गण्डकी ओ लुम्बिनी प्रदेशके तराई क्षेत्रमे अत्यधिक गर्मीके कारण जनस्वास्थ्यमे प्रतिकूल असर परे सेक्ना हुइल ओरसे विशेष सतर्कता अपनैना आग्रह समेत करलैं ।

विभागके मौसम पूर्वानुमान अनुसार धनगढीके अधिकतम तापक्रम ३८ से ४० ओ नेपालगञ्जमे अधिकतम तापक्रम ३९ से ४१ डिग्री सेल्सियससम पुगन सम्भावना बा ।

भैरहवा, वीरगञ्ज, घोराही ओ सिमरामे तापक्रम ३५ से ३८ डिग्री सेल्सियसके हाराहारीमे रहना अनुमान करल बा ।

कोशी, बागमती ओ गण्डकी प्रदेशके पहाडी तथा हिमाली भू-भागमे भर मेघगर्जन ओ चट्याङसहित हल्कासे मध्यम वर्षाके सम्भावना रहल विभाग जनैले बा । काठमाडौँ उपत्यका, पोखरा, धनकुटा, विराटनगर, धरान तथा ताप्लेजुङलगायत क्षेत्रमे वर्षाके सम्भावना बा । काठमाडौँ उपत्यकाके अधिकतम तापक्रम २८ से ३० डिग्रीसेल्सियस रहना पूर्वानुमान करल रहे ।

विभाग अत्यधिक गर्मीके समयमे बासिन्दाहे दिनके अनावश्यक रूपमे घर बाहिर नैनिकरना, प्रशस्त पानी पिना, हल्का तथा सुती कपडा लगैना ओ बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा दीर्घरोगीके विशेष हेरचाह करना अनुरोध करले बा । जलवायुविद्के अनुसार, जलवायु परिवर्तनके कारण पाछेक वर्षमे नेपालके तराई क्षेत्रमे टाटुल लहरके अवधि ओ तीव्रता बढ्ल बा । उहिनसे स्वास्थ्य, कृषि तथा जनजीवनमे प्रत्यक्ष प्रभाव डेखाइल बा । **गर्मी बढ्लपाछे हुम्लाके चौँरीगाई उच्च पाटनओर सरलैं**
हिमाली जिल्ला हुम्लाके उच्च स्थानमे पालल चौँरीगाईहे और उच पाटनओर लैगिल बा । उ उच्च पाटनमे नयाँ घाँस जामल ओरसे ओ यीआघे पाल्टि आइल स्थानमे गर्मी बढ्ल ओरसे चौँरीगाईहे लेकओर लैगिल बा ।

नाम्खा गाउँपालिकाके सब उच्च क्षेत्रके बस्तीमे पालल चौँरीगाईहे पाटनओर लैगिल नाम्खा गाउँपालिका-६, हिमालपारिके गाउँ लिमीके वडाध्यक्ष पाल्जोर तामाङ बटैलैं ।

यीआघे लिमीके हल्जी ओ तिल गाउँमे पालल चौँरीगाईहे यीबेला बुकी फुल्न उच्च पाटनमे लैगिल उहाँ जानकारी डेलैं । लिमीमे हाल दुई सय चौँरीगाई रहल ओ उ सबहे उच्च पाटनमे लैगिल वडाध्यक्ष तामाङके कहाइ बा ।

यीबेला उच्च पाटनमे लैगिल चौँरीगाईहे आगामी कात्तिक महिनामे किल गाउँ पुगाइल बा ।

ओस्टेक नाम्खा गाउँपालिकाके यारी, मुचु, चाला, केर्मा, च्यादुक, गाडापारि, धिंगा, हेक्पा र तांगीन गाउँके चौँरीगाईहे फेन उच्च पाटनमे लैगिल बा ।

विशेषकैके पाटन क्षेत्रमे घाँस जामल ओ गर्मी बढ्ल ओरसे चौँरीगाईहे लेकओर लैगिल हो । पाटनमे चौँरीहे लैगिलपाछे सुनसान रहल उ क्षेत्र अब्बे रमाइलो डेखाइ लागल बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

खेटुवामे गुन्जे छोरल सजना

✍ कृष्णराज सर्वहारी

थारू कृषि लोकगीतमे द्वापर युगके श्रीकृष्ण ओ महाभारतकालीन गाथा समाहित हुइनाले थारू समुदायमे प्राचीन कृषि प्रणालीके झझल्को बिल्गाइठ । रोपाइँके बेला घामपानीसे जोग्न छटरी (डन्डी नैरहल परम्परागत छटरी) टरे बैके धानके बेर्ना उखर्ना मचिया, खटोली, धान ढर्ना माटीक डेहरी, कुठला, कुठली हिलामे लगाके नेंग्ना खराउ, धान बोक्न सिक्हर बहिङ्गा, सामान ओसार्न लहिया, खेटुवामे खाना पुगाई जाईबेर प्रयोग हुइना सामग्री ढकिया, डेलवा, बिंडा, सिरहट्टा, पानी पिना करवा, जाँड पिना करै, बैठक लाग बेरीं जैसिन सामग्री अपनही बनैठै, थारू किसान । मुसनसे अन्न जोगैना कठुवक ओड़ा थारू बस्तीमे अभिनफे हेरे सेक्जाइठ ।

गीत गैटी खेतीपाती करलेसे श्रमिकके थकान मेटठ, एक प्रकारके उत्साह जागठ । टबमारे कृषि पेसा अपनाइल प्रायः आदिवासी जनजातिमे कृषिसम्बन्धी गीत फेला परठ । थारू लोकजीवनमे सजना, मैना, होरी, अस्टिम्की, सख्या, सुर्खेल, ढमार, मघौटा, बरमासा, रतनचवा, दिननचवा, बिरहैन जैसिन लोकगीत बटै । प्रायः यी सक्कु गीतमे खेतीपातीके प्रसङ्ग प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूपसे जोरजाइठ ।

यी आलेखमे पश्चिमा थारू समुदायमे कृषिसम्बन्धी सजनालगायत अन्य लोकगीतबारे चर्चा करल बा । खेतीपातीके बेला सजना गीत गाजाइठ । यम्ने खेती प्रणाली, सिकारी संस्कार, पौराणिक पात्रके गाथालगायत प्रसंग समेटल रहठ ।

पानी मग्टी गइया बेंढ्ना
समयमे पानी नैपरलेसे गइया/गोरु बेंढ्ना संस्कृति अन्तर्गत सजना गैटी पानी पर्ना अनुरोध करजाइठ । गइया/गोरु बेंढ्ना कहल गैयागोरुहे बन्धक बनैना हो । पाँच पाण्डव राजा विराट्कहाँ गुप्तवास बैठेबेर ओइनके १२ बर्से वनवासके ध्यान भङ्ग कैना कौरव पक्षसे राजा विराट्के गैयागोरु बन्धक बनाइल रहे । उ गैयागोरु छुटैना अर्जुन महिलाके भेषमे गैल महाभारतमे मिथक बा ।
यैसिक गइया/गोरु बेंढ्ना संस्कृतिमे लउण्डीहुक्रे लउण्डाके पोसाक लगाके गाउँ गाउँ छाता ओढके गीत गैटी, टिना मग्टी नेंगठैं । महाभारतके प्रसङ्गसे सजनामे आइठ । ब्याड छिटेबेर पानी नैजुरके प्रायः वैशाखके अन्त्यओर गोरु बेंढ्न चलन बा ।
गैयाहे बन्धन बनैना जैना बेला ओइने सजना गैठै:
उटरे डखिने चुरवा चम्के रे, कि बिजलि टाँरगन
काटि ढर्बु रैनि मछरिया कि मेघवा बाबा पानि डेउ ।
उत्तर दक्षिण बिजुली चम्कल, चुरियाफे चम्कल । बरु रैनी मच्छी काटके चढैम, मेघवा बाबा (भ्यागुता) पानी पारडेउ । गोरु बेंढुइया गैयासंगे, मेघवा बाबाहेफे बन्दी बनैठै ओ भोजन करैठै । सजना गैटी गाउँबाहेर निकरठै–
चारु कोना कलस ढरैबुँ रे कि कलसा मैं छुआइटुँ
हाँठ जोरि बिन्टि सुरुजा डेउटा कि मै बर्खा मनाइटुँ
पच्छिवैसे उमरल कार रि बडरिया रे, एक बुन्डा पनिया गिराइडेउ मोर हिरना भिजाइडेउ
अर्थात् चारु कोनुवा कलश धारे लगैना, कलश मै छुवैबु, ए सूर्य देउता, टोहानसँग कर जोर बिन्ती करटि बर्सातके लाग आह्वान करटु । पश्चिमसे करिया बद्रि आइल मने पूर्व भागल । एक बुँद टे पानी परडेउ, मोर हिरना (धर्ती) भिजाइदेउ । आश्चर्यके बाट का बा कलेस जोन दिन जोन गाउँठाउँमे गोरु बेंढना रित पूरा करजाइठ, उ दिन संयोगसे उ वरपर पानी परल रहठ ।

छाइ, पटोहियाके बिलौना
रोपाइँके समय प्रायः जेठसे सावनसम हो । टबेमारे सजना प्रायः जेठसे सावनसम गाजाइठ । जेठ लग्लेसे फेन पानी नैपरके किसानसे सजनाके राग छोरठैं:
हरे पुरुबसे उमरल कारि रि बडरिया रे, पछिउ चलि जावै,
अरि परि गैला, जेठ-असरिया, पनिया नहि बरसल ।
अर्थात् पूर्वसे करिया बद्रि मडारल ओ पश्चिममे जाके हेराइल । जेठ, असार महिना लग्लेसेमेत पानी नैपरल । ओहोर पानी नैपरके खेती करे नैपाके अपन अभिभावकहे दुःखी हुइल डेख्के उहाँक जवान छाइ फेन बिलौना करठि सजनामार्फत–
हरे गिउरक बिनल झलुरि छटरिया रे, उपरे पावोन डोलै
अरि छि छि बुन्डा पनिया न परल, मोर चुन्डरि नै भिजल ।
गैंरी (भँगेरासे बनाइल छटरी (गाउँसले छाता) उप्पर उप्पर हावा बहल । सामान्य एक बुँद पानीसम नैपरल, मोर चुनरी नैभिजल । जब पानी परठ, किसान खेतमे अइठैं । यहोर पुरुष नैरहल घरके महिला पानी परलेसे फेन खुसी नैरठैं ।
सावन सजनि बरसे झिन बुँडिया रे, टुटे बजरा केवरियाँ
अरे रानि भिजै रंगि रे महलिया, पिहा हो परडेसे ।
खेतीपाती करना बेला जारसे सटाइल मौसममे श्रीमान् (राजा) सँगसँगे नैहुइल बेला कौन भर रानीके मन खुसी हुइ टे ? रंगीन महलमे भिजल ओकर अंगमे काँडा उम्रठ मने काँडा सम्पन्ना पति नैरहठ । यहोर भर्खर भर्खर नयाँ दुलही भित्राइल श्रीमान् खेतमे काम, घरके यादसे उहिनसे ढेर सताइल रहठ । सँगे काम करना गोचाली (साथी) उहिनहे सजनामार्फत गिज्याइठ–
खेट्वा टे जोटल मुरसुवा रे... कि कोडरा छनाछन
कब अइहि लौलि डुल्हनिया, कलवा पानि डेहे ।
अर्थात् मुरसुवा नामक व्यक्ति खेतमे दनादन कोद्रा खेलाइटा, उहिनहे भोक सटाइटिस । ओकर नयाँ दुलही कलवा (बिहानके खाना) डेहे कब आइ कपटा ? ओहोर नयाँ दुलही खाना पानी लेके खेत पुग्ठि ओ सजनामार्फत अइसिके उहाँक भाव व्यक्त हुइठ–
सिरे टे लेहल गगरिया रे, हाँठे र करुवा पानि
भुजवा टे लेहल कोछियाइ, चलल खेट पानि डेहे
ना मै डेखुँ रुख्वा, बरिख्वा, ना सिटल जुर छाँहि
घैला छलक चुन्डरि भिजे, कहाँ रे ढारु पैला ?
(कुशुम्हिया, २०५७: १९)
शिरमे गग्री, हातमे करुवाक पानी, कम्मरमे भोजन लेके खेतमे जैटिरहल दुलही खेतमे ना रुख देख्ठि, ना कौनो शीतल स्थान । उहाँक घैला छल्कठ चुनरी भिजल रहठ । टबेमारे पुछ्ठी, ए स्वामी घैलाके पानी कहाँ ढरु हैं ? अइसिके किसान खेतीपातीके लाग जब खेतमे छिट्कठैं, सजना गीतके रागसे खेत गीतमय रहठ । विडम्बना यी झंकार आब सुस्ताइ लागल बा ।

गीतमे पशुपन्छीके प्रसंग
खेतीपातीके लाग गाईगोरु अभिन्न वस्तु हो । सजनामे कान्हा अर्थात् कृष्णके फेन गाथा गाजाइठ । ओम्ने गाईगोरुके प्रसंग आइठ–
सुनो सुनो कृष्ण भाइ रे, टोर गौवा हेरानि
कहाँ अइलो मोरे डुवारे कि टोर रहिया भुलानि
ना मोरे गौवा हेरानि रे, ना मोरे रहिया भुलानि
कारि नाग फुला टुरबुँ, मामा रे पुजा करहिँ ।
नागिन पुछ्ठि, “ए कृष्ण, टोहान गैया हेराइल कि डगर भुलके यहोर आइल ।” कृष्ण कठैं, “ना मोर गैया हेराइल हो, ना टे डगर भुलाइल हो । ए नागिन टोहान रक्षा करल फूल मामाके पूजाके लाग टुरे आइल बटु ।”
अस्टिम्की गीतमे जैसिक कृष्णके बाबाहे हर बनैना सामग्री लेना वन पठैलैं, खेत जोटल प्रसंग बा, रटि रटि महादेव-पार्वतीहे फेन खेतीपाती करल प्रसंग थारू लोकसाहित्यमे नानल डेखाइठ, जेकर वर्णन सजनामे मिलठ–
गौरी टे गैनै जगाइ रे, उठो हो महाडेव बसहा बरडा बेचि डारो, छिन भर सुटो ।
बेटुक डण्डा मारी जगैबुँ रे, उठो हो महादेव ।
टुहिन बिना हाँठ नहिँ पसरी, सुरुज नहिँ उघरी
सोइ कइ जागैं महादेव रे, हाँठ मुँह ढोवैं ।
नही बेचबुँ बसहर बरडा, कि छिनभर सुटबुँ ।
कुलप्रसाद थारू, (२०५७
यहाँ निडाइल महादेवहे गौरी (पार्वती) कठि, “कत्रा सुत्बो ए महादेव, यहाँ ग्राहक आइल बटैं, बेसहा (गोरु) बेचो ओ फेन सुटो । नैउठ्बो कलेसे टे बेटके लट्ठीसे पिटके फेन जगइम । ओहोर अल्छी महादेव सुटके उठके हातमुख टे धोइठैं मने बेसहा गोरु नैबेच्ठैं कहिके फेन सुटेक लाग च्यादर टन्ठैं–
भोर भइल भिनसरिया रे, मुरगा बाग बोलैं ।
छोरो हो बरडिवा आपन बरडा, मैं पनघट जैबुँ ॥१॥
बरडा टे छोरल बरडिवा रे, खेटुवम पुगैलाँ ।
लेउ हो हरोहियो आपन बरडा, मैं घाट छेके जैबुँ ॥२॥
औरे गीतके प्रसंगमे एक गृहिणी बिहान हुइल, मुर्गासमेत बोलसेकल । टबेमारे आब टे गोरु छोरो कहिके अपन स्वामीहे गोठसे गोरु निकरना आग्रह करठि । उहाँ टे गोरु खेतमे पुगैना फेन सहयोग करटि कठि, लौ गोरु सम्हारो, मै टे पानी भरे पानीघाटओर लागटु ।

खेतीपाती प्रसंगके अन्य गीत
खेतीपाती प्रसंग जोरल विविध गीत थारू समुदायमे रहल बा । बिउ लगैना बेला छुट्टे बिया-बैठौनी गीत गाजाइठ ।
जेठमे जाब असारे नाइ आइब
सावन गुडिया खेलब नइहरवे ।
सावन जाब भादो रे नाइ आइब
भादोमे बरत भुखब नइहरवे ।
बमबहादुर थारू, रूपन्देही (२०७७)
यी गीतमे बाह्रैमासके वर्णन रहल बा । यहाँ एक चेली कठि, जेठमे जाब, असारमे नैअइम । सावनके गुडिया खेलम लैहरमे । सावनमे जाब, भदौंके व्रत बैठम लैहरमे । भदौंमे जाब, कुँवारके नैअइम । कात्तिकके दिया बारक लैहरमे । अगहनमे जाब, पुसमे नैअइम । माघमे त्रिवेणी लहाइम लैहरमे । माघमे जाब, फागुनके होली खेलम लैहरमे ।
धान लगाके, धान पनाके ओराइल खाली समयमे थारू महिला बलहा (पिङ) बनाके ‘सावन बलहा गीत’ फेन गैठैं । यी गीतमे सावन महिना सम्झटि लैहर (माइती) याद करठैं । भैया घोरवा लेके लेहे आइल कल्पना करठि । भैयाहे मिष्ठान्न भोजन डेठि । छावासहित भैयासँग लैहर जैठि–

उँचवे अमर चढी बैनी जे चितवे, बिरन सावन रे,
नैहरेक लोग नाही आवे, सावन रे सुहावन रे
पिसहु रे मैया बिरहन सतुववा, बिरन सावन रे,
हम जाब बहिनी बोलावे, सावन रे सुहावन रे
घोडवा बान्हु भैया, ओही घोडसरिया, बिरन सावन रे,
बैठा भैया लाली पलङ्िया, सावन रे सुहावन रे ।
(सीताराम थारू, रूपन्देही)

टुंग्याउनी
खेतीपातीके बेला गैना सजना गीत थारू समुदायमे लोकप्रिय बा । विडम्बना मोबाइलमे गीत सुन्टि रमैना नयाँ पुस्ताहे अइसिन पौराणिक गीतमे रुचि, चास नैहो । नेपालमे कृषि प्रणाली जत्रा पुरान बा, ओत्रे पुरान सम्बन्ध थारूलगायत टमान समुदायके लोकगीतमे बा । विडम्बना हर ओ हरोइयाके ठाउँमे ट्याक्टर ओ ड्राइभर, धान लगैना मेसिनसे करना प्रविधि आके कृषि प्रणालीमे आधुनिकता छाइलसँगे कृषिसम्बन्धी लोकगीत लोप हुइना अवस्थामे पुगल बा । कुछ थारू गायक धान लगैना गीत रेकर्ड करे फेन लागल पाजाइठ । तथापि लोकसंस्कृति/गायन संस्कृतिहे जीवन्तता डेना, संरक्षण करना स्थानीय तह रोपाइँ गीत प्रतियोगिता आयोजना करना जरुरी डेखाइठ । साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

आरोही कार्यक्रम सुदूरपश्चिममे शुभारम्भ

मेन्टरशिप, सीप विकास ओ इकोसिस्टम सहयोगमार्फत महिला उद्यमशीलता प्रवर्द्धन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ असार । महिला उद्यमीहुकनके क्षमता अभिवृद्धि, व्यवसाय विस्तार ओ दीर्घकालीन आर्थिक सशक्तीकरणहे प्रवर्द्धन कैना उद्देश्यसे एफसीए नेपालसे सञ्चालित "आरोही: मेन्टरशिप, सीप ओ सहकार्य" कार्यक्रम सुदूरपश्चिम प्रदेशमे औपचारिक रूपमे शुभारम्भ करल बा ।

फिनल्यान्डके वुमेन्स बैंक ओ परराष्ट्र मन्त्रालयके सहयोगमे सञ्चालित इ कार्यक्रम धनगढीस्थित रुबस होटलमे असार १० से १२ गतेसम आयोजना करल हो ।

नेपालमे महिला उद्यमीहुकनसे सामना कैना सामाजिक, आर्थिक ओ संरचनागत अवरोधहे सम्बोधन करटी व्यवसायिक वृद्धि ओ नेतृत्व विकासके अवसरहे सिर्जना कैना लक्ष्यसहित कार्यक्रम सञ्चालन करल हो । तीनदिने शुभारम्भ कार्यक्रमअन्तर्गत ३१ जाने महिला उद्यमी (मेन्टी), १६ जाने अनुभवी मेन्टर, विषयगत विज्ञ ओ उद्यमशीलता पारिस्थितिके तन्त्रके सरोकारवालाहुकनके सहभागिता रहल रहे ।

उद्घाटन सत्रहे सम्बोधन करटी उद्घाटन समारोहके प्रमुख अतिथि सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके माननीय उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरण मन्त्री मान बहादुर रावलसे महिला उद्यमशीलता प्रदेशके आर्थिक समृद्धि ओ रोजगारी सिर्जनाके महत्वपूर्ण आधार हुइल उल्लेख करल रहे । उहासे महिला उद्यमीहुकनहे सामना करटी रहल चुनौतीहे सम्बोधन कैना प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध रहल बटैलै ।

उद्यम विकास, सीप अभिवृद्धि, बजार पहुँच ओ आवश्यक नीतिगत सहयोगमार्फत महिला उद्यमीहुकनके सशक्तीकरणमे सहकार्य कैना सरकार सदैव तयार रहल प्रतिबद्धता व्यक्त करल रहे । उहासे आरोहीजस्ते मेन्टरशिप ओ क्षमता विकास कार्यक्रमहे महिला उद्यमीहुकन आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता

ओ व्यवसायिक प्रतिस्पर्धात्मकता अभिवृद्धि कैना महत्वपूर्ण योगदान पुगैना विश्वास व्यक्त करल रहै ।

उद्घाटन सत्रहे सम्बोधन करटी एफसीए नेपालके राष्ट्रिय निर्देशक विद्यानाथ भुर्तेलसे महिला उद्यमीहुकनके लग अवसरहे बहटी हुइल फे पितृसत्तात्मक सोच, सीमित पहुँच ओ असमान सामाजिक संरचनासे अझै चुनौती सिर्जना करटी रहल उल्लेख करलै ।

उहासे आरोही कार्यक्रमसे महिला उद्यमीहुकन आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता ओ व्यवसायिक प्रतिस्पर्धात्मकता विकास कैना आवश्यक सहयोग प्रदान कैना विश्वास व्यक्त करल रहै ।

कार्यक्रममे सुदूरपश्चिम प्रदेश महिला उद्यमी महासंघके अध्यक्ष मीना कुमारी फुलारा, अत्तरिया उद्योग वाणिज्य संघके अध्यक्ष कल्याण सिंह बोहरा, कैलाली उद्योग वाणिज्य संघके अध्यक्ष पुष्कर्राज ओझा, उद्योग वाणिज्य महासंघके अध्यक्ष पुष्प राज कुँवर ओ धनगढी उपमहानगरपालिकाके उपप्रमुख कन्दकला कुमारी राना विशिष्ट अतिथिके रूपमे सहभागी हुइल रहिट । हाँहुकनसे महिला उद्यमशीलता प्रवर्द्धनके लग मेन्टरशिप, संस्थागत सहकार्य ओ उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तन्त्रसुदृढीकरणके आवश्यकता औंल्याइटी आरोही कार्यक्रमके सफल कार्यान्वयनके लग शुभकामना व्यक्त करल रहै ।

कार्यक्रमबारे जानकारी देहटी एफसीए नेपालके विषयगत विशेषज्ञ अष्ट प्रजापतिसे आरोही केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नैहुई महिला उद्यमशीलताके लग दीर्घकालीन सहयोग प्रणाली निर्माण कैना पहल हुइल बटैलै ।

उहाँके अनुसार कार्यक्रमसे मेन्टरशिप, प्राविधिक व्यवसायिक प्रशिक्षण ओ स्रोत ओ सञ्जाल निर्माणके अवसरहे एकीकृत करटी महिला उद्यमीहुकनहे व्यवसाय सञ्चालन ओ विस्तारके लग आवश्यक ज्ञान, सीप ओ सम्बन्धहे विकास कैना सहयोग करले बटै ।

कार्यक्रममे सहभागी ३१ जाने महिला उद्यमी (मेन्टी)हुकनसे उत्पादन करल विभिन्न वस्तु ओ सेवाहे मार्केटप्लेस शोकेस समेत आयोजना करल रहे । उक्त प्रदर्शनीसे सहभागी उद्यमीहुकनहे अपन उत्पादनहुकनके प्रवर्द्धन, अनुभव आदानप्रदान ओ सरोकारवालाहुकनसंग व्यवसायिक सञ्जाल विस्तार कैना महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करल रहे ।

उद्घाटन समारोह अगाडी संचालित दुई दिने 'व्यवसायके आधारशिला सशक्तिकरण ओ मेन्टरशिप सिनर्जी कार्यशालासे मेन्टर ओ मेन्टीबीच विश्वास, सहकार्य ओ साझा लक्ष्य निर्माणमे केन्द्रित अभ्यासहे समावेश करल रहे ।

सहभागीहुकनसे संरचित संवाद, अनुभव आदानप्रदान ओ लक्ष्य निर्धारण प्रक्रियामार्फत अपन साझेदारीके स्पष्ट कार्ययोजना तयार करल रहे । प्रत्येक मेन्टर-मेन्टी जोडीसे व्यवसायिक आकांक्षा, चुनौती, अपेक्षा ओ सिकाइके प्राथमिकताहे पहिचान करटी आगामी यात्राके लग साझा रोडम्याप निर्माण करल रहे ।

आरोही कार्यक्रमसे प्रारम्भिक कार्यशाला किल नैहुइना आगामी महिनाहे निरन्तर मेन्टरिङ, व्यवसायिक कोचिङ, प्राविधिक प्रशिक्षण, त्रैमासिक प्रगति समीक्षा ओ आवश्यकता आधारित विशेष सिकाइ सत्रहे समेटना बा ।

इहे महिला उद्यमीहुकनहे व्यवसाय विकासके विभिन्न चरणमे आवश्यक मार्गदर्शन ओ सहयोग उपलब्ध करल अपेक्षा करले बा ।

आरोही कार्यक्रमके पहिले चरण सफलतापूर्वक काठमाडौंमे सञ्चालन हुइल समापन कैसेकल बा, जहाँ सहभागी २७ महिला उद्यमीहुकनसे मेन्टरशिप, व्यवसायिक सीप विकास ओ सञ्जाल विस्तारके माध्यमसे उल्लेखनीय प्रगति हासिल करले बटै । हाल सुदूरपश्चिम प्रदेशमे दोस्रो चरणके शुभारम्भसँगै कार्यक्रमसे अपन प्रभाव क्षेत्र विस्तार करल बा । दोस्रो चरणके समापनपाछे नेपालके अरुरै प्रदेशमे तेस्रो चरण सञ्चालन कैना योजना रहल बा ।

वुमेन्स बैंकके रणनीतिक सहयोग ओ एफसीए नेपालके कार्यान्वयन अनुभवसँगै, युएन विमेन नेपाल युवा उद्यमी मञ्च ओ महिला उद्यमी महासंघ नेपालके प्राविधिक सहकार्यमे सञ्चालन हुइल इ कार्यक्रमसे महिला नेतृत्व, आर्थिक सहभागिता ओ उद्यमशीलताके क्षेत्रमे मापनयोग्य परिवर्तन ल्याइना लक्ष्य राख्ले बा ।

आरोहीसे केवल व्यक्तिगत व्यवसायहुकनके वृद्धि किल नाइ, महिला उद्यमीहुकनके लग सहयोगी ओ समावेशी उद्यमशीलता वातावरण निर्माण करटी नेपालके आर्थिक विकासमे महिलाके अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित कैना दीर्घकालीन दृष्टिकोणहे आघे बहाइल बा ।

शुक्लाफाँटामे स्वास्थ्य सेवाके पहुँच विस्तार

समाचारदाता

धनगढी, १३ असार । शुक्लाफाँटा नगरपालिकासे चालु आर्थिक बरसमे मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य, दीर्घरोगी, ज्येष्ठ नागरिक ओ किशोरी लक्षित कार्यक्रमहे प्राथमिकता डेटी स्वास्थ्य सेवाके पहुँच ओ गुणस्तरमे उल्लेखनीय सुधार करले बा ।

स्वास्थ्य पूर्वाधार सुदृढीकरणसे विशेषज्ञ सेवा विस्तारसमके कार्यक्रमसे स्थानीय नागरिक प्रत्यक्ष लाभान्वित हुइल बटै ।

नगरपालिकाके स्वास्थ्य शाखा प्रमुख परमानन्द भट्टके अनुसार सुत्केरी पोषण, पूर्ण खोप सुनिश्चितता, चिकित्सकीय सेवाके निरन्तरता, नगर अस्पतालके सुदृढीकरण तथा स्वास्थ्यकर्मी व्यवस्थापनलगायत कार्यक्रम प्रभावकारी रूपमे सञ्चालन हुइटी रहल बावै । उहाँ ग्रामीण अल्ट्रासाउण्ड कार्यक्रमअन्तर्गत सात सयसे ढेर गर्भवतीके नि:शुल्क गर्भ परीक्षण (अल्ट्रासाउण्ड) करल जानकारी डेलै ।

ओस्टके, ७४ जाने दीर्घरोगीहे मासिक उपचार खर्च उपलब्ध कराइल बा कलेसे ५०० जाने ज्येष्ठ नागरिकके घरदैलोमे स्वास्थ्य परीक्षण, रोग निदान तथा स्वास्थ्य अभिलेख सङ्कलन करल शाखा प्रमुख भट्ट जानकारी डेलै । ओहकान अनुसार पाठेघरके मुहके क्यान्सर रोकथामके लाग ५६३ किशोरीहे एचपिभी (ह्युमन प्यापिलोमा भाइरस) विरुद्धके खोप प्रदान करल बा ।

नागरिकके स्वास्थ्यहे केन्द्रमे राखके नगरके टमान स्थानमे विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा शिविर, पोषण खोजपड्ताल तथा क्षयरोग खोजपड्ताल कार्यक्रमसमेत सञ्चालन करल शाखा प्रमुख भट्ट बटैलै ।

"स्वास्थ्य बिमाके पहुँच विस्तार कैटी हालसम तीन हजारसे ढेर परिवार स्वास्थ्य बिमामे आबद्ध हुइल बटै", उहाँ कहलै, "स्वास्थ्य सेवाके गुणस्तर सुधारके प्रयासस्वरूप पीपलाडी स्वास्थ्य चौकी जिल्लाके उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्थाके सूचीमे परल बा, चौकीमे प्रयोगशाला सेवा सुदृढ कैटी लिपिड प्रोफाइल ओ बायोमेस्ट्रीलगायत परीक्षण सेवा थप सञ्चालनमे लानल बा ।"

इहे बीच, शव व्यवस्थापन सेवाहे व्यवस्थित बनाइक लाग शव चिस्यान यन्त्र खरिद करल जनैटी शाखा प्रमुख भट्ट शवबाहन खरिद प्रक्रिया अन्तिम चरणमे पुगल उल्लेख करलै । ओहकान अनुसार आगामी दिनमे फेन गुणस्तरीय, सर्वसुलभ ओ नागरिकमैत्री स्वास्थ्य सेवा विस्तारहे प्राथमिकतामे राखके कार्यक्रमहे थप प्रभावकारी बनाजैना बा ।

फरार एक प्रतिवादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १३ असार । फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कञ्चनपुरसे कैद ओ सजय तोकलपाछे फरार हुइल एक जाने पक्राउ परल बटै ।

फैसलासे बिवाह सम्बन्धी कसुर मुद्दामे १ वर्ष ३ महिना कैद सजाय ओ रु.१५ हजार जरिवाना तोकल कञ्चनपुर शुक्लाफाटा न.पा.१ बन्साह बैठना बर्ष ३० के लालिता लावडहे इलाका प्रहरी कार्यालय झलारी, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी विफेक रोज हुकाने घर ठेगानासे पक्राउ करल हो ।

सुदूरपश्चिम...

दीक्षान्त समारोहहे सम्बोधन कैटी शिक्षा तथा खेलकुद मन्त्री सस्मित पोखरेल विश्वविद्यालयसे आर्जित ज्ञानहे व्यवहारमे प्रयोग कैना आग्रह करल रहिट ।

इ उपाधि प्राप्त करैना अभिभावके भूमिका महत्त्वपूर्ण रहल बटैटी मन्त्री पोखरेल अभिभावक प्रति सराहना व्यक्त करल रहिट । साथे, मन्त्री पोखरेल टीकापुर क्याम्पसके तीन सय बिघा जमिनके विश्वविद्यालयके स्वामित्वमे रहलेसे फेन प्रयोगमे लानक लाग सरकार प्रतिबद्ध रहल बटैलै ।

ओस्टके समारोहहे सम्बोधन कैटी बर्का पहुना साहित्यकार प्राडा. तुलसी प्रसाद जोशी ज्ञानहे जीवन ओ व्यवहारमे अनुवाद कैके उटर्ना दक्षता प्राप्त करे सेके पर्ना बटाइल रहिट ।

समारोहमे दीक्षित विद्यार्थीहे सम्बोधन कैटी उहाँ दीक्षान्त समारोहसे प्रमाणपत्र किल प्रदान कैना किल नैहोके दीक्षा ओ शिक्षाहे व्यवहारमे उटारे सेके पर्नामे जोड डेहल रहिट ।

चार सञ्चारकर्मी दीक्षित

छैटौं दीक्षान्त समारोहमे कञ्चनपुरमे कार्यरत चार जाने सञ्चारकर्मी फेन दीक्षित हुइल बटै । जौन मध्ये सञ्चारकर्मी सुरज श्रेष्ठ, मदन गिरी, कल्पना साउद ओ सन्तोषी पाण्डेय फेन दीक्षित हुइल बटै ।

ओस्टके, कञ्चन आवाजके सम्पादक श्रेष्ठ व्यवस्थापन संकायमे स्नातकोत्तर, फारवेष्ट पोस्ट दैनिकके सम्पादक कल्पना साउद मानविकी संकायमे पत्रकारिता विषयमे स्नातक ओ सुदूर डायरीके पत्रकार सन्तोषी पाण्डेय फेन मानविकी सङ्काय पत्रकारिता विषयमे स्नातक तह उर्त्तीण करले बटै ।

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सीप सिखके आयआर्जन कैटी महिला

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १३ असार । टीकापुर नगरपालिकाके सामी कार्यक्रमसे यहाँके महिलाहे वित्तीय साक्षरता कक्षा डेहलपाछे सीप सिखके आत्मनिर्भर बने लागल बटैं ।

वैदेशिक रोजगारीमे रहल परिवारके महिला गोसियाके कमाइ बचत कैनाके साथे सीपमार्फत अपनेहुक्रे स्वरोजगार बने लागल हुइट ।

'स्वदेशमे रोजगारी करी, वैदेशिक रोजगारीमे गैलेसे सही सूचना ओ सीप सिखके किल जाइ' कना नाराके साथ वैदेशिक रोजगारीहे सुरक्षित बनाइक लाग सामी कार्यक्रमसे सहयोग कैटी रहल बा । सामीसे मनोसामाजिक परामर्श सेवा ओ वित्तीय साक्षरता कक्षामे सहभागी कराइलपाछे आपन जीवन फेरजैनाके साथे आयआर्जनके कार्यमे लागल महिलाहुक्रे बटैठै ।

वित्तीय साक्षरता कक्षामे सहभागी हुइलपाछे टीकापुरके सत्तीके विपना गुरुङमे आत्मविश्वास बह्रल बा । उहाँ दैनिक जीवनमे अइना व्यवहारिक ज्ञान, रकमके महत्वलगायत बारेम बुझ्ल बटैटी विदेश गैलेसे सीप सिखके किल जाइ परठ् कना जानकारी पाइल उल्लेख करली ।

विपनाके गोसिया सुरुमे विदेश जाइबर तालिमबिना गैल रहिट । उहाँहे विदेशमे ढेउर कर्रा काम करे परल रहे । सीप सिखके किल विदेश जाइ परठ् कना सिखलपाछे विपनाके गोसिया पाछेकचो स्वदेश आके तालिम लेहलपाछे वैदेशिक रोजगारीमे गैल उहाँ सुनैली । "मजा कमाइ हुइटी रहल बा ।

वित्तीय साक्षरता कक्षापाछे विपना टीकापुर नगरपालिकासे डेहल वेतबासके फर्निचर निर्माणसम्बन्धी ४५ दिने तालिम लेली", उहाँ कहली । तालिमपाछे सत्तीमे विपना रोजगारी पैले बटी । अब्बे ओहकान कमाइसे घर खर्च चलल् बा कलेसे गोसियाके कमाइ बचत हुइना करल बा ।

"पहिला घर खर्च ढेर होए, गोसियाके कमाइ घर खर्चमे ओराजाए", उहाँ कहली, "पालिकासे तालिम डेहलपाछे सीप सिखके स्थानीय तिलगङ्गा बेतवास फर्निचर उद्योगमे काम करटी रहल बटुँ । आब मै घरमे बैठके बेतवासके फर्निचर बनाके कमाइ सेक्ठु ।" वित्तीय साक्षरता कक्षामे वैदेशिक रोजगारीमे जैना परिवारके महिला सदस्यहे विदेशके कमाइ कैसिक बचत कैना ओ स्वदेशमे आयआर्जन कैके आम्दानीके स्रोत कैसिक बह्रैना कना विषयमे सिखाजाइठ् । ओइनके अनावश्यक खर्च घटैना, खर्च ओ आम्दानीके हिसाबकिताब रखना लगायत दैनिक अनावश्यक पर्ना विषयमे सचेत हुइल तालिममे सहभागी महिला बटैठै । इ बरस टीकापुरके दुई ठाउँमे वित्तीय साक्षरता कक्षा सञ्चालन करल रहे ।

विपना जस्टे टीकापुर नगरपालिका–२ कोठारपुरके सीता चौधरीके वित्तीय साक्षरता कक्षापाछे जीवन फेरल बा । गोसिया विदेशमे रहल बेला ओहकान कमाइ अस्रा लागके बैठ्ना सीताहे तालिमपाछे खर्च ओ आम्दानीके लेखाजोखा, सीप सिखके स्वरोजगार बने परठ् कना ज्ञान हुइलपाछे उहाँ फेन मेड्पा कार्यक्रमअन्तर्गत तालिम लेली ।

सुरुमे सिलाइकटाई तालिम लेके औरेक पसलमे काम करल सीता अब्बे अपनहे टेलर सञ्चालन कैटी आइल बटी । पसलसे प्रशस्त आम्दानी हुइटी रहल ओरसे दैनिक पाँच जाने यहाँ नियमित रूपमे सिलाइकटाई सिख्टी रहल उहाँ बटैली । "आब मै कपडा सिलके कमाइ कैना ओ औरे जनहनहे फेन सिखैना हुइल बटु", उहाँ कहली, "मै समयमे सीप सिखे पैनु, कमाइ करे लागलपाछे गोसिया फेन खुसी हुइल बटै ।"

वित्तीय साक्षरता कक्षामे सहभागी ढेर महिलाके पाछेक समय जीवन फेरल बा । टीकापुरके अस्नेहरीके सीता चौधरी फेन वित्तीय साक्षरता कक्षामे सहभागी होके नास्ता पकैना तालिम लेले बटी । यकर सँगे लग्गे रहल विद्यालयमे भान्से पदमे रोजगारी कैना सल्लाह हुइटी रहल उहाँ बटैली ।

सीता खाना पकाइबर बिजुलीके बचत कैसिक कैना, आगोके बचत कैसिक कैना, अपने सुरक्षित कैसिक हुइना ओ बालबालिकाहे गलत डगरामे लग्नासे कैसिक बचैना कना बारेम फेन सिखल बटैली । ओहकान गोसिया पाँच बरस मलेसिया बैठके घर आइल बटै । अब्बे काठमाडौंमे सीप सिख्टी बटै ।

सीप सिखके फेनसे विदेश जैना तयारीमे गोसिया रहल सीता बटैली । "मै घरमे फेन महिला अनावश्यक हुइना खर्च कैसिक बचत करे सेक्ठै कना सिख्नु", उहाँ कहली, "आजकल मोर घरमे पानी ओ बिजुलीके बिल फेन पहिलेक तुलनामे घटल बा ।" टीकापुर–१ के उर्मिला खड्का विदेश जाइबर राहदानी किल चाहठ् कना बुझ्ल रही ।

वित्तीय कक्षामे सहभागी हुइलपाछे विदेश जाइबर अन्य कागजात फेन चाहठ्, कागजातके फोटोकपी परिवारके सदस्य फेन राखे परठ् कनाबारे जानकारी पाइल उहाँ बटैली ।

परिवारके सदस्य फेन आयआर्जनके कार्यमे लागे परठ् कना बुझाइके विकास हुइल खड्का बटैलै । "विगतमे आपन बारीम फरल टिना छिमेकीहे बँट्ना, बचल गाईहवस्तुहे खवाइना करी", उहाँ कहली, "आजकल बिक्री करे लागल बटी । मै फेन सिलाइकटाई तालिम सिखल बटु । आब कामके खोजीमे बटु । घरायसी खर्च घटाइ लागल बटु ।"

सामी परियोजनाके स्वयंसेवक धनबहादुर बुढामगर विसं २०७० से निरन्तर रूपमे वैदेशिक रोजगारी सुरक्षित बनैटी परिवारके सहज जीवनके लाग सामी कार्यक्रममे काम करटी रहल बटैलै । उहाँ कहलै, "१३ बरस आघेक वैदेशिक रोजगारीके सुरक्षा ओ अब्बेक वैदेशिक रोजगारीमे जउइयाके अवस्था फेरल बा । हमार जैसिन स्वयंसेवकके बारेम स्थानीय सरकारसे विशेष कार्यक्रम लानके सम्बोधन करे परल ।"

टीकापुर–१ के वडाध्यक्ष मोहनलुहार विक सामी कार्यक्रमसे वैदेशिक रोजगारीमे गैल परिवारके सुरक्षा ओ वित्तीय बचतमे सहयोग करल बटैलै ।

उहाँ तालिम सिखलहुक्रे उद्यमी बन्ना तथा व्यवसाय सुरु कैना सक्षम हुइना उल्लेख करलै । "हम्रे सीप सिखके व्यवसाय करुइयाहे जब फेन सिखैठी । हमारसँग सीप सिखैना रोजगार सेवा केन्द्र, मेड्पालगायत कार्यक्रम बावै", उहाँ कहलै, "सीपपाछे व्यवसाय करुइयाहे समन्वय ओ अन्य सहयोग फेन जुटा डेठी ।"

वडा नं ७ के वडाध्यक्ष यज्ञप्रसाद न्यौपाने हमार समाजके पुरुष अधिकांश विदेशमे, कुछ कृषि कर्ममे लागल ओ कुछ लागुऔषध दुव्यर्सनमे फसल कहटी अइसीन सीपसे उहाँहुक्रनहे व्यस्त बनैटी लागुऔषध दुव्यर्सन मुक्त बनैना फेन सहयोग कैना बटैलै । उहाँ विदेशके कमाइ व्यवस्थापनमे महिलाके बरवार जिम्मेवारी रहना बटैटी वित्तीय कारोबार करेबर सचेत ओ जिम्मेवार हुइनाके साथे फजुल खर्च घटैना सुझाव डेलै । टीकापुर नगरपालिकाके रोजगार शाखा प्रमुख दिनेशराज शर्मा पालिकासे एकीकृत रूपमे सीपमूलक तालिम डेना प्रयास करटी रहल बटैटी संघ सरकारके कार्यविधि आइल ओरसे सहकार्य कैके एकीकृत रूपमे उद्यमी बने चहुइया, सीप सिखे चहुइयाक लाग तालिमके अवसर सिर्जना कैना जानकारी डेलै ।

टीकापुर नगरपालिकाके निमित्त प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत लक्ष्मी ओड वैदेशिक रोजगारीहे सुरक्षित बनैनाके साथे कमाइ सही सदुपयोग करे पर्नामे परिवारके सदस्यसमेत सचेत हुइ पर्ना बटैली ।

सामी कार्यक्रमके मनोसामाजिक परामर्शकर्ता मीना कुँवर वैदेशिक रोजगारीसे मानसिक समस्या हुइ सेक्ना हुइल ओरसे परिवारके सदस्य काममे व्यस्त रहे पर्ना बटैली । "हम्रे समस्यामे रहलहे मनोसेवा डेना करल बटी, यकरसाथे वित्तीय साक्षरता कक्षामार्फत आयआर्जनके कार्यमे लग्ना हौसला डेठी",उहाँ कहली, "विदेश ओ स्वदेशके कमाइ सही ठाउँमे लगानी कैना, सुरक्षित कारोबार करे सिखैना करल बटी ।"

लम्कीचुहा अस्पताल विवाद सहमतिमे मिलल्

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १३ असार । लम्कीचुहा नगरपालिकाके नगरप्रमुख सुशीला शाही ओ लम्कीचुहा प्रादेशिक अस्पतालके निमित्त मेडिकल सुपरिटेन्डेन्ट डा. कमलेशप्रसाद यादवबिच डेखगैल विवाद अन्ततः समाधान हुइल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके सामाजिक विकास मन्त्रालयमे शनिच्चरके हुइल बार्तापाछे डुनु पक्षसे अ ापसी समन्वय, सहकार्य ओ सम्मानके साथ अस्पतालके सेवा प्रवाहहे प्रभावकारी बनैना प्रतिबद्धता जनाइलसँगे विवाद समाधान हुइल हो ।

सामाजिक विकासमन्त्री बेलबहादुर रानामगर तथा प्रदेशसभा सदस्य दिवानसिंह विष्टके उपस्थितिमे हुइल वार्तापाछे अस्पतालके गरिमा कायम रख्ना, कार्यस्थलहे सुरक्षित ओ मर्यादित बनैना तथा सेवा प्रवाहमे कौनो अवरोध आइ नैडेना सहमति हुइल मन्त्रालय जनैले बा ।

कुछ समयसे अस्पतालके व्यवस्थापन तथा कार्यसम्पादनके विषयमे नगर प्रमुख शाही ओ निमित्त मेडिकल सुपरिटेन्डेन्ट डा. यादवबिच विवाद चर्कल रहे ।

उक्त विवाद सामाजिक सञ्जाल ओ सञ्चारमाध्यममे व्यापक रूपमे सार्वजनिक हुइलपाछे सामाजिक विकास मन्त्रालयसे उहीहे गम्भीर रूपमे लेटी डुनु पक्षहे वार्तामे बोलाइल रहे ।

उहीसे आघे मन्त्रालयसे प्रेस विज्ञप्ति जारी कैटी स्वास्थ्यकर्मीके पेसागत मर्यादा, सुरक्षित कार्य वातावरण ओ स्वास्थ्य सेवामे कौनो फेन मेरके गैरकानुनी हस्तक्षेप स्वीकार्य नैहुइना स्पष्ट पारल रहे ।

साथे, प्रशासनिक तथा व्यवस्थापकीय विवाद कानुनी ओ संस्थागत प्रक्रियामार्फत समाधान करे पर्नामे जोड डेहल रहे ।

वार्तापाछे डुनु पक्षसे विगतके असमझदारी अन्त्य कैटी आपसी संवाद ओ सहकार्यके माध्यमसे लम्कीचुहा प्रादेशिक अस्पतालके सेवा प्रवाहहे थप प्रभावकारी, व्यवस्थित ओ जनमुखी बनैना प्रतिबद्धता व्यक्त करले बटैं ।

"लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू :
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्नियां, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।
- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन
- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

भजनी नगरपालिका
४ नम्बरको कार्यालय
खैलाड, कैलाली

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"